देशभक्ति गीत

Patriotic Songs

30 selected songs from Hindi
Movies and Albums

Pothi.com

देशभक्ति गीत

Patriotic Songs

30 collected songs from Hindi Movies and Albums

Includes Details of Historical Events Referenced

&

Meanings of Difficult/Colloquial Words

Published by Pothi.com

To celebrate Indian Independence Day

August 15, 2010

jpk.reju@gmail.com

Contents

वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो 5
आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं झाँकी हिंदुस्तान की 7
न कोई रहा है, न कोई रहेगा 10
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल 14
हम लाए हैं तूफ़ान से किश्ती निकाल के 17
इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के 19
ऐ मेरे वतन के लोगों 20
ये देश है वीर जवानों का 23
है प्रीत जहाँ की रीत सदा 24
मेरे देश की धरती सोना उगले 27
ऐ मेरे प्यारे वतन 27
सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है 29
कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों 30
मेरा रंग दे बसंती चोला 32
होठों पे सच्चाई रहती है 33
सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा 34
कदम-कदम बढ़ाये जा - I 36
कदम कदम बढ़ाये जा - II 37
नन्हें-मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है 38
अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं 39
ऐ वतन ऐ वतन हमको तेरी क़सम 41

jpk.reju@gmail.com

नन्हा मुन्ना राही हूँ 43
जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़ियाँ करती है बसेरा 45
छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी 47
आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा हैं 49
तू हिन्दू बनेगा न मुसलमान बनेगा..... 50
दुल्हन चली, पहन चली, तीन रंग की चोली..... 52
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा..... 54
वन्दे मातरम्..... 55
जन गण मन 57

jpk.reju@gmail.com

वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो

वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो।
पुकारते हैं ये ज़मीन-ओ-आसमाँ शहीद हो।

शहीद तेरी मौत ही तेरे वतन की ज़िंदगी,
तेरे लहू से जाग उठेगी इस चमन की ज़िंदगी,
खिलेंगे फूल उस जगह पे तू जहाँ शहीद हो,
वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो।

गुलाम उठ वतन के दुश्मनों से इंतक़ाम ले,
इन अपने दोनों बाज़ुओं से खंजरों का काम ले,
चमन के वास्ते चमन के बाग़बाँ शहीद हो,
वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो।

पहाड़ तक भी काँपने लगें तेरे जुनून से,
तू आसमाँ पे इन्क़लाब[1] लिख दे अपने ख़ून से,
ज़मीं नहीं तेरा वतन है आसमाँ शहीद हो,
वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो।

वतन की लाज जिसको थी अज़ीज़ अपनी जान से,
वो नौजवान जा रहा है आज कितनी शान से,
इस एक जवाँ की खाक़ पर हर एक जवाँ शहीद हो,
वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो।

---

[1] Revolution

jpk.reju@gmail.com

है कौन खुशनसीब माँ कि जिसका ये चिराग़ है,

वो ख़ुशनसीब है कहाँ ये जिसके सर का ताज है,

अमर वो देश क्यूँ न हो कि तू जहाँ शहीद हो,

वतन की राह में वतन के नौजवाँ शहीद हो।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले
वतन पे मिटने वालों का यही नाम-ओ-निशाँ होगा।

On Youtube (1, 2)

jpk.reju@gmail.com

आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं झाँकी हिंदुस्तान की

आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की,
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की।
वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम्।

उत्तर में रखवाली करता पर्वतराज विराट है,
दक्षिण में चरणों को धोता सागर का सम्राट् है,
जमुना जी के तट को देखो गंगा का ये घाट है,
बाट-बाट में हाट-हाट में यहाँ निराला ठाठ है।
देखो ये तस्वीरें अपने गौरव की अभिमान की,
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की।
वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम्।

ये है अपना राजपुताना नाज़ इसे तलवारों पे,
इसने सारा जीवन काटा बरछी, तीर, कटारों पे,
ये प्रताप का वतन पला है आज़ादी के नारों पे,
कूद पड़ी थीं यहाँ हज़ारों पद्मिनियाँ[2] अंगारों पे।
बोल रही है कण-कण से कुरबानी राजस्थान की,

[2] This is a reference to the story of Rani Padmini of Chittor. Sultan of Delhi Allah-ud-din Khilji lusted after her and attacked the fort of Chittor. With a long drawn siege of the fort, the Rajputs of Chittors were short on supplies and had to fight an unequal battle with Sultan's armies. To protect their honour, Rani Padmini and other the women of Chittor burned themselves to death in a huge pyre. The process is called Johar.

jpk.reju@gmail.com

इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की।
वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम्।

देखो मुल्क मराठों का ये यहाँ शिवाजी डोला था,
मुग़लों की ताकत को जिसने तलवारों पे तोला था,
हर पर्वत पे आग जली थी हर पत्थर एक शोला था,
बोली हर-हर महादेव की बच्चा-बच्चा बोला था।
शेर शिवाजी ने रखी थी लाज हमारी शान की,
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की।
वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम्।

जलियाँवाला[3] बाग ये देखो यहीं चली थी गोलियाँ,
ये मत पूछो किसने खेली यहाँ ख़ून की होलियाँ,
एक तरफ़ बंदूकें दन-दन एक तरफ़ थी टोलियाँ,
मरनेवाले बोल रहे थे इन्क़लाब की बोलियाँ।
यहाँ लगा दी बहनों ने भी बाज़ी अपनी जान की,
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की।
वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम्।

---

[3] On April 13, 1919 thousands (15000-20000) people gathered in Jallianwala Bagh in Amritsar on the occasion of 'Baishakhi'. The place had few narrow entrances, most of which were locked. Brigadier-General Reginald Dyer marched with 50 armed soldiers and opened firing on the crowd without any warning. He had blocked even the main entrance to the place. He indiscriminately fired 1650 rounds until all his ammunitions were exhausted. Given the large crowd, no warning and no escape, a large number of people, including elderly, women and children were killed by firing and the ensuing stampede.

jpk.reju@gmail.com

ये देखो बंगाल यहाँ का हर चप्पा हरियाला है,
यहाँ का बच्चा-बच्चा अपने देश पे मरनेवाला है,
ढाला है इसको बिजली ने भूचालों ने पाला है,
मुट्ठी में तूफ़ान बंधा है और प्राण में ज्वाला है।
जन्मभूमि है यही हमारे वीर सुभाष महान की,
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की।
वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम् वंदे मातरम्।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

न कोई रहा है, न कोई रहेगा

सिकंदर[4] भी आये, कलंदर भी आये,
न कोई रहा है, न कोई रहेगा।

न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।
न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।

है तेरे जाने की बारी बिदेशी[5], ये देश आज़ाद हो के रहेगा।
मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।

सिकंदर को पोरस[6] की ताक़त ने रोका,
गोरी को पृथ्वी[7] की हिम्मत ने टोका।
जब खूनी नादर[8] ने छेड़ी लड़ाई,

---

[4] Alexander

[5] विदेशी, Foreigner

[6] The legend goes that when Alexander attacked India, king Porus defended bravely. But he managed to defeat Porus in the end. He asked the imprisoned Porus as to how he would like to be treated by Alexander. Porus replied 'Like a king treats another king'. Alexander was impressed by the bravery and self-respect of Porus. He released him and returned him his kingdom too.

[7] Prithwiraj Chauhan defeated Sultan Shahabuddin Muhammad Gauri in the first Battle of Tarain in 1191 AD. Although he was defeated next year in the second Battle of Tarain.

[8] Nader Shah attacked India in 18th century, defeated the Sultan of Delhi Mohammad Shah, plundered the city and killed thousands of Indians. It is said that the plunder seized from India was so rich that he stopped taxation in Iran for a period of three years following his return.

jpk.reju@gmail.com

तो दिल्ली की गलियों से आवाज़ आई,
लगा ले तू कितना भी ज़ोर ऐ सितमग़र[9],
ये देश आज़ाद हो के रहेगा।
मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।
न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।

परताप ने जान दे दी वतन पे,
शिवाजी ने भगवा उड़ाया गगन पे।
मर्दों ने खाईं आज़ादी की कसमें,
अदा औरतों ने कीं जौहर की रस्में।
कफ़न बांध कर रानी झाँसी पुकारी,
ये देश आज़ाद हो के रहेगा।
मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।
न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।

[9] Tormentor

jpk.reju@gmail.com

सिराज[10] और टीपू[11], ज़फ़र[12] और नाना[13],
था हर एक इनमें क़ौमी दीवाना।
यहाँ ले के आये बग़ावत की आँधी,
तिलक, नेहरू, आज़ाद, नेताजी, गाँधी।
भगत सिंह की राख ने ये पुकारा,
ये देश आज़ाद हो के रहेगा।
मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।
न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।

हलाकू[14] रहा है न हिटलर रहा है,
मसोलिनी का ना वो लश्कर रहा है।
नहीं जब रहा रूस का ज़ार बाकी,
तो कैसे रहेगा सालाज़ार[15] बाकी।
गोवा का हर बच्चा बच्चा पुकारा,
ये देश आज़ाद हो के रहेगा।

---

[10] Siraj-Ud-Daulah, the last independent Nawab of Bengal, who fought the British East India Company in the battle of Plassey in 1757. Unfortunately, he lost the battle and this defeat paved the way for British domination of India.
[11] Tipu Sultan, the ruler of the kingdom of Mysore, helped his father Haider Ali defeat the British in the second Mysore War. However, he was defeated in third and fourth Anglo-Mysore War and died defending his capital Srirangapattana.
[12] Bahadur Shah Zafar, the last Mughal emperor.
[13] Nana Sahib, son of exiled Peshwa Baji Rao, who fought against British during the 1857 rebellion, referred as India's first fight for freedom.
[14] Hulagu Khan, grandson of Genghis Khan

[15] António de Oliveira Salazar, Prime Minister of Portugal from 1932-1968. He was against liberation of Portuguese colonies including Goa.

jpk.reju@gmail.com

मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।
न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।

कल को अगर आये चाओ या माओ,
लगा देंगे हम ज़िंदग़ानी का दाँव।
हमारा है कश्मीर नेफ़ा[16] हमारा,
कभी झुक सकेगा न झण्डा हमारा।
ज़रा देश के दुश्मनों से ये कह दो,
ये देश आज़ाद हो के रहेगा।
मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।
न कोई रहा है, न कोई रहेगा, न कोई रहा है।

है तेरे जाने की बारी बिदेशी, ये देश आज़ाद हो के रहेगा।
मेरा देश आज़ाद हो के रहेगा।
न कोई रहा है।

On Youtube

[16] Present day Arunachal Pradesh

jpk.reju@gmail.com

दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल

दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
आँधी में भी जलती रही गाँधी तेरी मशाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।

धरती पे लड़ी तूने अजब ढब की लड़ाई,
दाग़ी न कहीं तोप न बंदूक चलाई,
दुश्मन के किले पर भी न की तूने चढ़ाई,
वाह रे फ़कीर ख़ूब करामात दिखाई।
चुटकी में दुश्मनों को दिया देश से निकाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
रघुपति राघव राजा राम।

शतरंज बिछा कर यहाँ बैठा था ज़माना,
लगता था कि मुश्किल है फ़िरंगी को हराना,
टक्कर थी बड़े ज़ोर की दुश्मन भी था ताना,
पर तू भी था बापू बड़ा उस्ताद पुराना।
मारा वो कस के दाँव कि उलटी सभी की चाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
रघुपति राघव राजा राम।

jpk.reju@gmail.com

जब जब तेरा बिगुल बजा जवान चल पड़े,
मज़दूर चल पड़े थे और किसान चल पड़े,
हिंदू व मुसलमान, सिख, पठान चल पड़े,
कदमों पे तेरे कोटि कोटि प्राण चल पड़े।
फूलों की सेज छोड़ के दौड़े जवाहरलाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
रघुपति राघव राजा राम।

मन में थी अहिंसा की लगन तन पे लंगोटी,
लाखों में घूमता था लिये सत्य की सोंटी,
वैसे तो देखने में थी हस्ती तेरी छोटी,
लेकिन तुझे झुकती थी हिमालय की भी चोटी।
दुनिया में तू बेजोड़ था इन्सान बेमिसाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
रघुपति राघव राजा राम।

जग में कोई जिया है तो बापू तू ही जिया,
तूने वतन की राह पे सब कुछ लुटा दिया,
माँगा न कोई तख्त न तो ताज ही लिया,
अमृत दिया तो ठीक मगर खुद ज़हर पिया।
जिस दिन तेरी चिता जली, रोया था महाकाल,
साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,

jpk.reju@gmail.com

साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल।

रघुपति राघव राजा राम।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

हम लाए हैं तूफ़ान से किश्ती निकाल के

पासे सभी उलट गए दुश्मन की चाल के,
अक्षर सभी पलट गए भारत के भाल के,
मंज़िल पे आया मुल्क हर बला को टाल के,
सदियों के बाद फिर उड़े बादल गुलाल के।

हम लाए हैं तूफ़ान से किश्ती निकाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों सँभाल के।
तुम ही भविष्य हो मेरे भारत विशाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों सँभाल के।

देखो कहीं बरबाद ना होवे ये बग़ीचा,
इसको हृदय के ख़ून से बापू ने है सींचा।
रखा है ये चिराग़ शहीदों ने बाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों सँभाल के।

दुनिया के दाँव-पेंच से रखना ना वास्ता,
मंज़िल तुम्हारी दूर है लम्बा है रास्ता
भटका ना दे कोई तुम्हें धोखे में डाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों सँभाल के।

ऐटम बमों के ज़ोर पे ऐंठी है ये दुनिया,
बारूद के एक ढेर पे बैठी है ये दुनिया,
तुम हर कदम उठाना ज़रा देख भाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों सँभाल के।

jpk.reju@gmail.com

आराम की तुम भूल-भुलइया[17] में ना भूलो,
सपनों के हिंडोलों[18] पे मगन हो के ना झूलो।
अब वक़्त आ गया मेरे हँसते हुए फूलों,
उठो छलाँग मार के आकाश को छू लो।
तुम गाड़ दो गगन में तिरंगा उछाल के,
इस देश को रखना मेरे बच्चों सँभाल के।

On Youtube

[17] Maze
[18] झूला, Swing

jpk.reju@gmail.com

इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के

इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के,
ये देश है तुम्हारा, नेता तुम्हीं हो कल के।

दुनिया के रंज सहना और कुछ न मुँह से कहना,
सच्चाइयों के बल पे आगे को बढ़ते रहना,
रख दोगे एक दिन तुम संसार को बदल के।
इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के,
ये देश है तुम्हारा, नेता तुम्हीं हो कल के।

अपने हों या पराये, सबके लिये हो न्याय,
देखो कदम तुम्हारा हरगिज़ न डगमगाए,
रस्ते बड़े कठिन हैं, चलना सँभल-सँभल के।
इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के,
ये देश है तुम्हारा, नेता तुम्हीं हो कल के।

इन्सानियत के सर पे इज़्ज़त का ताज रखना,
तन-मन की भेंट दे कर भारत की लाज रखना,
जीवन नया मिलेगा अंतिम चिता में जल के।
इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के,
ये देश है तुम्हारा, नेता तुम्हीं हो कल के।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

ऐ मेरे वतन के लोगों

ऐ मेरे वतन के लोगों,
तुम ख़ूब लगा लो नारा,
ये शुभ दिन है हम सबका,
लहरा लो तिरंगा प्यारा।

पर मत भूलो सीमा पर,
वीरों ने हैं प्राण गँवाए,
कुछ याद उन्हें भी कर लो,
जो लौट के घर न आए।

ऐ मेरे वतन के लोगों,
ज़रा आँख में भर लो पानी,
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

तुम भूल न जाओ उनको
इसलिए सुनो ये कहानी।
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

जब घायल हुआ हिमालय,
ख़तरे में पड़ी आज़ादी,
जब तक थी साँस लड़े वो,
फिर अपनी लाश बिछा दी।

jpk.reju@gmail.com

संगीन[19] पे धर कर माथा
सो गए अमर बलिदानी।
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

जब देश में थी दिवाली,
वो खेल रहे थे होली,
जब हम बैठे थे घरों में,
वो झेल रहे थे गोली।
थे धन्य जवान वो अपने,
थी धन्य वो उनकी जवानी।
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

कोई सिख, कोई जाट, मराठा,
कोई गुरखा, कोई मदरासी,
सरहद[20] पर मरने वाला
हर वीर था भारतवासी।
जो ख़ून गिरा पर्वत पर,
वो ख़ून था हिन्दुस्तानी
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

---

[19] Bayonet

[20] Border

jpk.reju@gmail.com

थी ख़ून से लथपथ काया[21],
फिर भी बंदूक उठा के,
दस-दस को एक ने मारा,
फिर गिर गए होश गँवा के।
जब अंत समय आया तो
कह गए कि अब मरते हैं,
खुश रहना देश के प्यारों,
अब हम तो सफ़र करते हैं।
क्या लोग थे वो दीवाने,
क्या लोग थे वो अभिमानी।
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

तुम भूल न जाओ उनको
इसलिए कही ये कहानी
जो शहीद हुए हैं उनकी,
ज़रा याद करो क़ुर्बानी।

जय हिंद, जय हिंद की सेना।
जय हिंद, जय हिंद की सेना।
जय हिंद , जय हिंद , जय हिंद।

On Youtube

[21] Body

jpk.reju@gmail.com

ये देश है वीर जवानों का

ये देश है वीर जवानों का,
अलबेलों का मस्तानों का,
इस देश का यारों क्या कहना,
ये देश है दुनिया का गहना।

यहाँ चौड़ी छाती वीरों की,
यहाँ भोली शक्लें हीरों की,
यहाँ गाते हैं राँझे मस्ती में,
मस्ती में झूमें बस्ती में।

पेड़ों पे बहारें झूलों की,
राहों में कतारें फूलों की,
यहाँ हँसता है सावन बालों में,
खिलती हैं कलियाँ गालों में।

कहीं दंगल शोख जवानों के,
कहीं करतब तीर-कमानों के,
यहाँ नित-नित मेले सजते हैं,
नित ढोल और ताशे बजते हैं।

दिलबर के लिये दिलदार हैं हम,
दुश्मन के लिये तलवार हैं हम,
मैदाँ में अगर हम डट जाएँ,
मुश्किल है कि पीछे हट जाएँ।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

है प्रीत जहाँ की रीत सदा

जब ज़ीरो दिया मेरे भारत ने[22]
भारत ने मेरे भारत ने
दुनिया को तब गिनती आयी
तारों की भाषा भारत ने
दुनिया को पहले सिखलायी

देता ना दशमलव[23] भारत तो
यूँ चाँद पे जाना मुश्किल था
धरती और चाँद की दूरी का
अंदाज़ा लगाना मुश्किल था

सभ्यता जहाँ पहले आयी
पहले जनमी है जहाँ पे कला
अपना भारत वो भारत है
जिसके पीछे संसार चला।

संसार चला और आगे बढ़ा
यूँ आगे बढ़ा, बढ़ता ही गया
भगवान करे ये और बढ़े
बढ़ता ही रहे और फूले-फले।

--

[22] The concept of zero as a number is supposed to have been used in India first
[23] Decimal

jpk.reju@gmail.com

है प्रीत जहाँ की रीत सदा,
मैं गीत वहाँ के गाता हूँ।
भारत का रहने वाला हूँ,
भारत की बात सुनाता हूँ।

काले-गोरे का भेद नहीं,
हर दिल से हमारा नाता है।
कुछ और न आता हो हमको,
हमें प्यार निभाना आता है।
जिसे मान चुकी सारी दुनिया,
मैं बात वही दोहराता हूँ।
भारत का रहने वाला हूँ,
भारत की बात सुनाता हूँ।

जीते हों किसी ने देश तो क्या,
हमने तो दिलों को जीता है।
जहाँ राम अभी तक है नर में,
नारी में अभी तक सीता है।
इतने पावन हैं लोग जहाँ,
मैं नित-नित शीश झुकाता हूँ।
भारत का रहने वाला हूँ,
भारत की बात सुनाता हूँ।

इतनी ममता नदियों को भी
जहाँ माता कह के बुलाते हैं।
इतना आदर इन्सान तो क्या
पत्थर भी पूजे जातें हैं।

jpk.reju@gmail.com

उस धरती पे मैंने जनम लिया,
ये सोच के मैं इतराता हूँ।
भारत का रहने वाला हूँ,
भारत की बात सुनाता हूँ।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

मेरे देश की धरती सोना उगले

मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती
मेरे देश की धरती।

बैलों के गले में जब घुँघरू जीवन का राग सुनाते हैं,
ग़म कोसों दूर हो जाता है, खुशियों के कँवल[24] मुस्काते हैं।
सुन के रहट[25] की आवाज़ें, यूँ लगे कहीं शहनाई बजे,
आते ही मस्त बहारों के दुल्हन की तरह हर खेत सजे।

जब चलते हैं इस धरती पे हल, ममता अंगड़ाइयाँ लेती है।
क्यूँ ना पूजें इस माटी को जो जीवन का सुख देती है।
इस धरती पे जिसने जनम लिया, उसने ही पाया प्यार तेरा,
यहाँ अपना पराया कोई नहीं, है सब पे है माँ उपकार तेरा।

ये बाग़ है गौतम, नानक का, खिलते हैं अमन[26] के फूल यहाँ।
गांधी, सुभाष, टैगोर, तिलक, ऐसे हैं चमन[27] के फूल यहाँ।
रंग हरा हरी सिंह नलवे[28] से, रंग लाल है लाल बहादुर से,
रंग बना बसंती भगत सिंह, रंग अमन का वीर जवाहर से।

On Youtube

---

[24] कमल, Lotus

[25] A mechanism to water the fields, where a spinning wheels with attached buckets is used to draw water from a well and drop it in the fields.

[26] Peace

[27] Garden

[28] Hari Singh Nalva was Commander-in-chief of Sikh Empire and was responsible for the expansion to Sikh empire up to Indus river

jpk.reju@gmail.com

ऐ मेरे प्यारे वतन

ऐ मेरे प्यारे वतन, ऐ मेरे बिछ्ड़े चमन, तुझ पे दिल क़ुर्बान।
तू ही मेरी आरज़ू[29], तू ही मेरी आबरू[30], तू ही मेरी जान।

तेरे दामन[31] से जो आए, उन हवाओं को सलाम,
चूम लूँ मैं उस ज़ुबाँ को, जिस पे आये तेरा नाम।
सब से प्यारी सुबह तेरी, सब से रंगीं तेरी शाम, तुझ पे दिल क़ुर्बान ।
तू ही मेरी आरज़ू, तू ही मेरी आबरू, तू ही मेरी जान।

माँ का दिल बन के कभी सीने से लग जाता है तू,
और कभी नन्हीं सी बेटी बन के याद आता है तू।
जितना याद आता है मुझको, उतना तड़पाता है तू, तुझ पे दिल क़ुर्बान।
तू ही मेरी आरज़ू, तू ही मेरी आबरू, तू ही मेरी जान।

छोड़ कर तेरी ज़मीं को दूर आ पहुँचे हैं हम,
फिर भी है ये ही तमन्ना, तेरे जर्रों की कसम,
हम जहाँ पैदा हुए, उस जगह ही निकले दम, तुझ पे दिल क़ुर्बान।
तू ही मेरी आरज़ू, तू ही मेरी आबरू, तू ही मेरी जान।

On Youtube

[29] Desire
[30] Prestige
[31] आँचल

jpk.reju@gmail.com

सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है

एक से करता नहीं क्यूँ दूसरा कुछ बात-चीत
देखता हूँ मैं जिसे वो चुप तेरी महफ़िल में है।

सरफ़रोशी[32] की तमन्ना अब हमारे दिल में है
देखना है ज़ोर कितना बाज़ु-ए-क़ातिल[33] में है।

वक़्त आने पर बता देंगे तुझे ओ आसमाँ
हम अभी से क्या बताएँ क्या हमारे दिल में है।

खींच[34] के लाई है सबको क़त्ल होने की उम्मीद
आशिकों का आज जमघट कूचा-ए-क़ातिल[35] में है।

On Youtube

[32] Willingness to die
[33] Hands of the killer
[34] Pronounced as खेंच in the song
[35] Streets of the killer

jpk.reju@gmail.com

कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों

कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई,
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया।
कट गये सर हमारे तो कुछ ग़म नहीं,
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया।
मरते-मरते रहा बाँकपन[36] साथियों।
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत[37] रोज़ आती नहीं।
हुस्न[38] और इश्क़[39] दोनों को रुसवा[40] करे,
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं।
आज धरती बनी है दुल्हन साथियों।
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

राह क़ुर्बानियों की न वीरान हो,
तुम सजाते ही रहना नये क़ाफ़िले।

---

[36] Jauntiness
[37] Season
[38] Beauty
[39] Love
[40] Let down

jpk.reju@gmail.com

फ़तह[41] का जश्न[42] इस जश्न के बाद है,
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले।
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियों।
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

खींच[43] दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर,
इस तरफ़ आने पाये न रावण कोई।[44]
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे,
छूने पाये न सीता का दामन कोई।
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों।
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

On Youtube

[41] Victory
[42] Celebration
[43] Pronounced as खेंच in the song
[44] Reference to 'Lakshman Rekha', the line drawn by Lakshman which he asked Sita not to cross, when he left her alone.

jpk.reju@gmail.com

मेरा रंग दे बसंती चोला

मेरा रंग दे बसंती चोला, माए रंग दे
मेरा रंग दे बसंती चोला।

दम निकले इस देश की खातिर बस इतना अरमान है
एक बार इस राह में मरना सौ जन्मों के समान है
देख के वीरों की क़ुर्बानी अपना दिल भी बोला
मेरा रंग दे बसंती चोला।

जिस चोले को पहन शिवाजी खेले अपनी जान पे
जिसे पहन झाँसी की रानी मिट गई अपनी आन पे
आज उसी को पहन के निकला हम मस्तों का टोला
मेरा रंग दे बसंती चोला।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

होठों पे सच्चाई रहती है

होठों पे सच्चाई रहती है, जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है,
हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है।

मेहमाँ जो हमारा होता है, वो जान से प्यारा होता है।
ज़्यादा की नहीं लालच हम को, थोड़े में गुज़ारा होता है।
बच्चों के लिए जो धरती माँ, सदियों से सभी कुछ सहती है।
हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है।

कुछ लोग जो ज़्यादा जानते हैं, इन्सान को कम पहचानते हैं।
ये पूरब है, पूरब वाले हर जान की कीमत जानते हैं।
मिल-जुल के रहो और प्यार करो, एक चीज़ यही जो रहती है।
हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है।

जो जिस से मिला सीखा हम ने, ग़ैरों को भी अपनाया हमने।
मतलब के लिए अन्धे हो कर, रोटी को नहीं पूजा हम ने।
अब हम तो क्या सारी दुनिया, सारी दुनिया ये कहती है
हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा
हम बुलबुले हैं इसकी, ये गुलसिताँ[45] हमारा

पर्वत हो सबसे ऊँचा, हमसाया[46] आसमाँ का,
वो संतरी[47] हमारा, वो पासबाँ[48] हमारा।

गोदी में खेलती हैं, जिसकी हज़ारों नदियाँ,
गुलशन[49] है जिसके दम से, रश्क-ए-जिनाँ[50] हमारा।

मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना
हिन्दी[51] हैं हम वतन है, हिन्दोस्ताँ हमारा।

ग़ुरबत[52] में हों अगर हम, रहता है दिल वतन में
समझो वहीं हमें भी, दिल हो जहाँ हमारा।

ऐ आब-ए-रूद-ए-गंगा[53], वो दिन है याद तुझको
उतरा तेरे किनारे, जब कारवाँ हमारा।

---

[45] गुलिस्तान, Garden
[46] Following closely
[47] Guard
[48] Sentinal, Defender
[49] Garden
[50] Envy of Heaven
[51] Not in the language, but the people belonging to 'Hind' (India)
[52] Alienation

jpk.reju@gmail.com

यूनान[54], मिस्र[55], रोमाँ[56], सब मिट गए जहाँ से
अब तक मगर है बाकी, नाम-ओ-निशाँ हमारा।

कुछ बात है की हस्ती, मिटती नहीं हमारी
सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-जहाँ[57] हमारा।

'इक़बाल' कोई महरम[58], अपना नहीं जहाँ में
मालूम क्या किसी को, दर्द-ए-निहाँ हमारा।

On Youtube

---

[53] Water of River Ganges

[54] Greece
[55] Egypt
[56] Rome
[57] Time of the world
[58] Intimate, Confidant

jpk.reju@gmail.com

कदम-कदम बढ़ाये जा - I

कदम कदम बढ़ाये जा, खुशी के गीत गाये जा,
ये जिन्दगी है क़ौम[59] की, तू क़ौम पर लुटाये जा।

तू शेर-ए-हिन्द[60] आगे बढ़, मरने से फिर भी तू ना डर,
उड़ा के दुश्मनों का सर, जोश-ए-वतन[61] बढ़ाये जा।

हिम्मत तेरी बढ़ती रहे, ख़ुदा तेरी सुनता रहे,
जो सामने तेरे खड़े, तू ख़ाक मे मिलाये जा।

चलो दिल्ली पुकार के, क़ौमी निशाँ[62] सम्भाल के,
लाल किले पे गाड़ के, लहराये जा लहराये जा।

---

[59] Country
[60] Lion of India
[61] Enthusiasm of the Nation
[62] National Emblem (Flag)

jpk.reju@gmail.com

कदम कदम बढ़ाये जा - II

कदम कदम बढ़ाये जा, खुशी के गीत गाये जा
ये जिन्दगी है क़ौम की, तू क़ौम पर लुटाये जा

तेरे लिए तेरे वतन की ख़ाक बेक़रार है
हिमालय[63] की चोटियों को तेरा इंतज़ार है
वतन से दूर है मग़र वतन के गीत गाए जा।

बड़ा कठिन सफ़र है ये बड़े कठिन हैं रास्ते
मग़र ये मुश्किलें हैं क्या सिपाहियों के वास्ते
तू बिजलियों से खेल, आँधियों पे मुस्कुराए जा।

बिछड़ रहा है तुझसे तेरा भाई तो बिछड़ने दे
नसीब क़ौम का बने तो अपना घर उजड़ने दे
मिटा के अपना एक घर, हज़ार घर बसाए जा।

On Youtube

[63] Pronounced हिमालया in the song

jpk.reju@gmail.com

नन्हें-मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है

नन्हें-मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है?
मुट्ठी में है तक़दीर[64] हमारी,
हमने क़िस्मत को बस[65] में किया है।

भोली-भाली मतवाली आँखों में क्या है?
आँखों में झूमे उम्मीदों की दिवाली,
आने वाली दुनिया का सपना सजा है।

भीख में जो मोती मिले, लोगे या न लोगे?
ज़िन्दगी के आँसुओं का बोलो क्या करोगे?
भीख में जो मोती मिले तो भी हम न लेंगे,
ज़िन्दगी के आँसुओं की माला पहनेंगे,
मुश्किलों से लड़ते-भिड़ते जीने में मज़ा है।

हमसे न छुपाओ बच्चों हमें तो बताओ,
आने वाली दुनिया कैसी होगी, समझाओ।
आने वाली दुनिया में सब के सर पे ताज होगा,
न भूखों की भीड़ होगी, न दुखों का राज होगा,
बदलेगा ज़माना ये सितारों पे लिखा है।

On Youtube

---

[64] Fortune
[65] वश, control

jpk.reju@gmail.com

अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं

अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं,
सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं।

हमने सदियों में ये आज़ादी की नेमत[66] पाई है,
सैंकड़ों कुर्बानियाँ देकर ये दौलत पाई है।
मुस्कुरा कर खाई हैं सीनों पे अपने गोलियाँ,
कितने वीरानों से गुज़रे हैं तो जन्नत[67] पाई है।
ख़ाक में हम अपनी इज्ज़त को मिला सकते नहीं।
अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं।

क्या चलेगी ज़ुल्म की अहल-ए-वफ़ा[68] के सामने,
आ नहीं सकता कोई शोला हवा के सामने।
लाख फ़ौजें ले के आए अमन[69] का दुश्मन कोई,
रुक नहीं सकता हमारी एकता के सामने।
हम वो पत्थर हैं जिसे दुश्मन हिला सकते नहीं
अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं।

वक़्त की आवाज़ के हम साथ चलते जाएँगे,
हर क़दम पर ज़िन्दगी का रुख़ बदलते जाएँगे।
'गर वतन में भी मिलेगा कोई गद्दार-ए-वतन[70],

---

[66] Blessing, Boon
[67] Heaven
[68] One who is loyal
[69] Peace. Pronounced as अम्न in the song.
[70] Traitor of the nation

jpk.reju@gmail.com

अपनी ताक़त से हम उसका सर कुचलते जाएँगे।
एक धोखा खा चुके हैं, और खा सकते नहीं।
अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं।

हम वतन के नौजवाँ हैं, हम से जो टकराएगा,
वो हमारी ठोकरों से ख़ाक में मिल जायेगा।
वक़्त के तूफ़ान में बह जाएँगे ज़ुल्म-ओ-सितम,
आसमाँ पर ये तिरंगा उम्र भर लहरायेगा।
जो सबक बापू ने सिखलाया भुला सकते नहीं।
सर कटा सकते है लेकिन सर झुका सकते नहीं।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

ऐ वतन ऐ वतन हमको तेरी क़सम

तू ना रोना, कि तू है भगत सिंह की माँ,
मर के भी लाल तेरा मरेगा नहीं।
डोली चढ़ के तो लाते हैं दुल्हन सभी,
हँस के हर कोई फाँसी चढ़ेगा नहीं।

जलते भी गये, कहते भी गये,
आज़ादी के परवाने,
जीना तो उसी का जीना है
जो मरना वतन पे जाने।

ऐ वतन, ऐ वतन हमको तेरी क़सम,
तेरी राहों में जाँ तक लुटा जाएँगे।
फूल क्या चीज़ है, तेरे क़दमों पे हम,
भेंट अपने सरों की चढ़ा जाएँगे।

कोई पंजाब से, कोई महाराष्ट्र से,
कोई यूपी से है, कोई बंगाल से।
तेरी पूजा की थाली में लाए हैं हम,
फूल हर रंग के, आज हर डाल से।
नाम कुछ भी सही, पर लगन एक है,
जोत से जोत दिल की जगा जाएँगे।
ऐ वतन, ऐ वतन हमको तेरी क़सम,
तेरी राहों में जाँ तक लुटा जाएँगे।

jpk.reju@gmail.com

तेरी जानिब[71] उठी जो कहर की नज़र,
उस नज़र को झुका के ही दम लेंगे हम।
तेरी धरती पे है जो क़दम ग़ैर का,
उस क़दम का निशाँ तक मिटा देंगे हम।
जो भी दीवार आएगी अब सामने
ठोकरों से उसे हम गिरा जाएँगे।
ऐ वतन, ऐ वतन हमको तेरी क़सम,
तेरी राहों में जाँ तक लुटा जाएँगे।

सह चुके हैं सितम हम बहुत ग़ैर के
अब करेंगे हर एक वार का सामना
झुक सकेगा न अब सरफ़रोशों का सर
चाहे हो ख़ूनी तलवार का सामना
सर पे बाँधे कफ़न हम तो हँसते हुए
मौत को भी गले से लगा जाएँगे।
ऐ वतन, ऐ वतन हमको तेरी क़सम,
तेरी राहों में जाँ तक लुटा जाएँगे।

जब शहीदों की अर्थी उठे धूम से,
देशवालों तुम आँसू बहाना नहीं।
पर मनाओ जब आज़ाद भारत का दिन,
उस घड़ी तुम हमें भूल जाना नहीं।
लौट कर आ सके ना जहाँ में तो क्या,
याद बन के दिलों में तो आ जाएँगे।

On Youtube

[71] Towards

jpk.reju@gmail.com

नन्हा मुन्ना राही हूँ

नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ,
बोलो मेरे संग, जय हिन्द, जय हिन्द, जय हिन्द,
जय हिन्द, जय हिन्द।

रस्ते में चलूँगा न डर-डर के,
चाहे मुझे जीना पड़े मर-मर के।
मंज़िल से पहले ना लूँगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढाऊँगा क़दम।
दाहिने-बाएँ दाहिने-बाएँ, थम।

धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे-हरे खेत लहराएँगे वहाँ।
धरती पे फाके[72] न पाएँगे जन्म,
आगे ही आगे बढाऊँगा क़दम।
दाहिने-बाएँ दाहिने-बाएँ, थम।

नया है ज़माना, मेरी नई है डगर,
देश को बनाऊँगा मशीनों का नगर।
भारत किसी से रहेगा नहीं कम,
आगे ही आगे बढाऊँगा क़दम।
दाहिने-बाएँ दाहिने-बाएँ, थम।

[72] Poor, Hungry

jpk.reju@gmail.com

बड़ा हो के देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखो का तारा बनूँगा।
रखूँगा ऊँचा तिरंगा परचम[73],
आगे ही आगे बढाऊँगा क़दम।
दाहिने-बाएँ दाहिने-बाएँ, थम।

शांति की नगरी है मेरा ये वतन,
सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन।
दुनिया मे गिरने न दूँगा कहीं बम,
आगे ही आगे बढाऊँगा क़दम।
दाहिने-बाएँ दाहिने-बाएँ, थम।

On Youtube

[73] Flag

jpk.reju@gmail.com

जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़ियाँ करती है बसेरा

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु
गुरुर्देवो महेश्वरा
गुरुः साक्षात परब्रह्म
तस्मै श्री गुरुवै नम:

जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़ियाँ करती हैं बसेरा,
वो भारत देश है मेरा, वो भारत देश है मेरा।
जहाँ सत्य, अहिंसा और धरम का पग-पग लगता डेरा,
वो भारत देश है मेरा, वो भारत देश है मेरा।

ये धरती वो जहाँ ऋषि-मुनि जपते प्रभु नाम की माला।
जहाँ हर बालक एक मोहन है, और राधा एक-एक बाला।
जहाँ सूरज सबसे पहले आ कर डाले अपना फेरा,
वो भारत देश है मेरा, वो भारत देश है मेरा।

जहाँ गंगा, जमुना, कृष्णा और कावेरी बहती जाए,
जहाँ उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम को अमृत पिलवाए,
कहीं ये फल और फूल उगाए और केसर कहीं बिखेरा।
वो भारत देश है मेरा, वो भारत देश है मेरा।

अलबेलों की इस धरती के त्योहार भी हैं अलबेले,
कहीं दीवाली की जगमग है, होली के कहीं मेले।
जहाँ राग-रंग और हँसी-खुशी का चारों ओर है घेरा।
वो भारत देश है मेरा, वो भारत देश है मेरा।

jpk.reju@gmail.com

जहाँ आसमान से बातें करते मंदिर और शिवाले[74],
किसी नगर में, किसी द्वार पर कोई न ताला डाले।
और प्रेम की बंसी[75] जहाँ बजाता आए शाम-सवेरा
वो भारत देश है मेरा, वो भारत देश है मेरा।

On Youtube

[74] Actual word शिवालय meaning 'a temple dedicated to Lord Shiva'

[75] Flute – a reference to Lord Krishna's Flute

jpk.reju@gmail.com

छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी

छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी,
नये दौर में लिखेंगे मिलकर नई कहानी।
हम हिन्दुस्तानी, हम हिन्दुस्तानी।

आज पुरानी जंज़ीरों को तोड़ चुके हैं,
क्या देखें उस मंज़िल को जो छोड़ चुके हैं।
चाँद के दर पे जा पहुँचा है आज ज़माना,
नये जगत से हम भी नाता जोड़ चुके हैं।
नया ख़ून है, नयी उमंगें, अब है नयी जवानी।
हम हिन्दुस्तानी, हम हिन्दुस्तानी।

हमको कितने ताजमहल हैं और बनाने,
कितने ही अजंता हम को और सजाने।
अभी पलटना है रुख[76] कितने दरियाओं[77] का,
कितने पवर्त राहों से हैं आज हटाने।
नया ख़ून है, नयी उमंगें, अब है नयी जवानी।
हम हिन्दुस्तानी, हम हिन्दुस्तानी।

आओ मेहनत को अपना ईमान बनाएँ,
अपने हाथों को अपना भगवान बनाएँ।
राम की इस धरती को, गौतम की भूमि को,
सपनों से भी प्यारा हिंदुस्तान बनाएँ।

---

[76] Direction
[77] Sea

jpk.reju@gmail.com

नया ख़ून है, नयी उमंगें, अब है नयी जवानी।
हम हिन्दुस्तानी, हम हिन्दुस्तानी।

हर ज़र्रा है मोती आँख उठाकर देखो,
माटी में सोना है हाथ बढ़ाकर देखो।
सोने की ये गंगा है, चाँदी की यमुना,
चाहो तो पत्थर से धान उगाकर देखो।
नया ख़ून है, नयी उमंगें, अब है नयी जवानी।
हम हिन्दुस्तानी, हम हिन्दुस्तानी।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा हैं

आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा हैं,
दूर हटो, ऐ दुनिया वालों! हिन्दुस्तान हमारा है।

जहाँ हमारा ताजमहल है, और कुतुबमीनारा है
जहाँ हमारे मंदिर-मस्जिद, सिक्खों का गुरुद्वारा है,
उस धरती पर कदम बढ़ाना अत्याचार तुम्हारा है,
दूर हटो, ऐ दुनिया वालों! हिन्दुस्तान हमारा है।

शुरु हुआ है जंग तुम्हारा, जाग उठो हिन्दुस्तानी,
तुम न किसी के आगे झुकना जर्मन हो या जापानी।
आज सभी के लिए हमारा ये ही क़ौमी नारा है,
दूर हटो, ऐ दुनिया वालों! हिन्दुस्तान हमारा है।

On Youtube

jpk.reju@gmail.com

तू हिन्दू बनेगा न मुसलमान बनेगा

तू हिन्दू बनेगा न मुसलमान बनेगा,
इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।

अच्छा है अभी तक तेरा कुछ नाम नहीं है,
तुझको किसी मज़हब से कोई काम नहीं है।
जिस इल्म[78] ने इंसान को तक़सीम[79] किया है,
उस इल्म का तुझ पर कोई इल्ज़ाम नहीं है।

तू बदले हुए वक्त की पहचान बनेगा,
इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।

मालिक[80] ने हर इंसान को इंसान बनाया,
हमने उसे हिन्दू या मुसलमान बनाया।
कुदरत[81] ने तो बख़्शी[82] थी हमें एक ही धरती,
हमने कहीं भारत, कहीं ईरान बनाया।

जो तोड़ दे हर बंद, वो तूफान बनेगा,
इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।

---

[78] Knowledge
[79] Divided
[80] Owner, God
[81] Nature
[82] Gave

jpk.reju@gmail.com

नफरत जो सिखाए, वो धरम तेरा नहीं है,
इंसाँ को जो रौंदे, वो क़दम तेरा नहीं है।
कुरआन[83] न हो जिसमें, वो मंदिर नहीं तेरा,
गीता न हो जिसमें, वो हरम तेरा नहीं है।

तू अमन[84] का और सुलह[85] का अरमान बनेगा,
इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।

ये दीन[86] के ताजिर[87], ये वतन बेचने वाले,
इंसानों की लाशों के कफन बेचने वाले।
ये महल में बैठे हुए कातिल ये लुटेरे,
कांटों के एवज[88] रूह-ए-चमन[89] बेचने वाले।

तू इनके लिए मौत का ऐलान[90] बनेगा,
इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।

On Youtube

---

[83] Quoran

[84] Peace, Pronounced अम्न in the song

[85] Agreement

[86] Faith, Religion

[87] Merchant

[88] Pronounced इवज़ in the song, in return for

[89] Soul of the Garden (Garden signified 'Nation' here)

[90] Announcement

jpk.reju@gmail.com

दुल्हन चली, पहन चली, तीन रंग की चोली

पूरब में सूरज ने छेड़ी, जब किरणों की शहनाई,
चमक उठा सिंदूर गगन पे, पश्चिम तक लाली छाई।

दुल्हन चली, पहन चली, तीन रंग की चोली।
बाहों में लहराए गंगा-जमुना, देख के दुनिया डोली।

ताजमहल जैसी ताज़ा है सूरत,
चलती-फिरती अजंता की मूरत।
मेल-मिलाप की मेहंदी रचाये,
बलिदानों की रंगोली।

मुख चमके ज्यों हिमालय की चोटी,
हो ना पड़ोसी की नीयत खोटी।
ओ घर वालों ज़रा इसको सँभालो,
ये तो है बड़ी भोली।

और सजेगी अभी और सँवरेगी,
चढ़ती उमरिया है और निखरेगी।
अपनी आज़ादी की दुल्हनियाँ,
बीस के ऊपर हो ली।

देशप्रेम ही आज़ादी की दुल्हनियाँ का वर है,
इस अलबेली दुल्हन का सिन्दूर-सुहाग अमर है,

jpk.reju@gmail.com

माता हैं कस्तूरबा जैसी, बाबुल[91] गांधी जैसे,
चाचा इसके नेहरु, शास्त्री, डरें ना दुश्मन कैसे?

वीर[92] शिवाजी जैसे, वीरन लक्ष्मीबाई बहना,
लक्ष्मण जिसके बोस, भगतसिंह उसका फिर क्या कहना!

जिसके लिये जवान बहा सकते हैं ख़ून की गंगा,
आगे पीछे तीनों सेना ले के चलें तिरंगा,
सेना चलती हैं ले के तिरंगा।
हों कोई हम प्रान्त[93] के वासी,
हों कोई भी भाषा-भाषी
सबसे पहले हैं भारतवासी।

On Youtube

[91] Father

[92] Brother (वीर in Punjabi means brother)

[93] Region/State

jpk.reju@gmail.com

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झण्डा ऊँचा रहे हमारा।

सदा शक्ति बरसाने वाला,
प्रेम सुधा बरसाने वाला,
वीरों को हर्षाने वाला,
मातृभूमि का तन मन सारा।
झण्डा ऊँचा रहे हमारा।

आओ प्यारे वीरों आओ,
देश धरम पर बलि-बलि जाओ,
एक साथ सब मिल कर गाओ,
प्यारा भारत देश हमारा।
झण्डा ऊँचा रहे हमारा।

शान न इसकी जाने पाए,
चाहे जान भले ही जाए
सत्य की विजय कर दिखलाए,
तब होवे प्रण पूर्ण हमारा।
झण्डा ऊँचा रहे हमारा।

jpk.reju@gmail.com

वन्दे मातरम्

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
सस्य श्यामलां मातरंम् .
शुभ्र ज्योत्सनाम् पुलकित यामिनीम्
फुल्ल कुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम् .
सुखदां वरदां मातरम् ॥

कोटि कोटि कन्ठ कलकल निनाद कराले
द्विसप्त कोटि भुजैर्ध्रत खरकरवाले
के बोले मा तुमी अबले
बहुबल धारिणीम् नमामि तारिणीम्
रिपुदलवारिणीम् मातरम् ॥

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि ह्रदि तुमि मर्म
त्वं हि प्राणाः शरीरे
बाहुते तुमि मा शक्ति,
ह्रदये तुमि मा भक्ति,
तोमारै प्रतिमा गडि मन्दिरे-मन्दिरे ॥

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदल विहारिणी
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्
नमामि कमलां अमलां अतुलाम्
सुजलां सुफलां मातरम् ॥

jpk.reju@gmail.com

श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्
धरणीं भरणीं मातरम् ॥

jpk.reju@gmail.com

जन गण मन

जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे जय हे जय हे
जय जय जय जय हे

पतन-अभ्युदय-वन्धुर-पंथा,
युगयुग धावित यात्री,
हे चिर-सारथी,
तव रथ चक्रेमुखरित पथ दिन-रात्रि
दारुण विप्लव-माझे
तव शंखध्वनि बाजे,
संकट-दुख-श्राता,
जन-गण-पथ-परिचायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता,

jpk.reju@gmail.com

जय हे, जय हे, जय हे,

जय जय जय जय हे

घोर-तिमिर-घन-निविड़-निशीथ

पीड़ित मुर्च्छित-देशे

जाग्रत दिल तव अविचल मंगल

नत नत-नयने अनिमेष

दुस्वप्ने आतंके

रक्षा करिजे अंके

स्नेहमयी तुमि माता,

जन-गण-दुखत्रायक जय हे

भारत-भाग्य-विधाता,

जय हे, जय हे, जय हे,

जय जय जय जय हे

रात्रि प्रभातिल उदिल रविच्छवि

पूरब-उदय-गिरि-भाले, साहे विहन्गम, पूएय समीरण

नव-जीवन-रस ढाले,

तव करुणारुण-रागे

निद्रित भारत जागे

तव चरणे नत माथा,

जय जय जय हे, जय राजेश्वर,

भारत-भाग्य-विधाता,

जय हे, जय हे, जय हे,

जय जय जय जय हे

jpk.reju@gmail.com